Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0308

PAPER—II

PHILOSOPHY

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬬ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬬ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PHILOSOPHY

PAPER – II

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

1. Who has propounded *water* as fundamental stuff of the universe ?
(A) Anaximenes (B) Anaximander (C) Thales (D) Hegel

2. The concept of *Ṛta* as cosmic order is found in :
(A) Brahmasūtra (B) Ṛgveda
(C) Yajurveda (D) Bhagavadgītā

3. The distinction of *Śreyas* and *Preyas* is found in :
(A) Praśnopaniṣad (B) Māṇḍūkyopaniṣad
(C) Tattirīyopaniṣad (D) Kaṭhopaniṣad

4. There is a direct relationship between *Cetanā* and moral karma. This is maintained by :
(A) Vedas (B) Upaniṣads
(C) Jainism (D) Buddhism

5. What among the following is ***not*** a *Kleśa* according to Patañjali ?
(A) *Avidyā* (B) *Asmitā*
(C) *Viparyaya* (D) *Dveṣa*

6. The philosopher who stated that the mind at birth, is a *Tabula rasa* :
(A) Descartes (B) Locke
(C) Berkeley (D) Hume

7. Find the correct pair, belonging to the same school.
(A) Śaṃkara and Gautama (B) Uddyotakara and Udayana
(C) Vasubandhu and Umāsvāti (D) Īśvarakṛṣṇa and Dharmakīrti

8. For Plato, the ultimate reality is :
(A) Particulars (B) Universals
(C) Matter (D) Both Universals and Particulars

9. '*Matter*' and '*Form*' are the two fundamental concepts in :
(A) Plato (B) Socrates
(C) Sophists (D) Aristotle

10. Prabhākara propounds :
(A) abhihitāñvayavāda (B) akhaṇḍavākyavāda
(C) anvitābhidhānavāda (D) none

11. Who accepts *anupalabdhi* as a *liṅga* ?
(A) Buddhism (B) Nyāya
(C) Advaita (D) Sāṃkhya

12. Who brought Copernican Revolution in epistemology ?
(A) Kant (B) Hegel (C) Descartes (D) Leibnitz

दर्शनशास्त्र

प्रश्नपत्र – II

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. *जल* को विश्व के मूलभूत उपादान के रूप में किसने प्रतिपादित किया है?
(A) एनेक्जीमेनीज़ (B) एनेक्जीमेन्डर (C) थेलीज (D) हेगेल

2. वैश्विक व्यवस्था के रूप में *ऋत* की अवधारणा किसमें पायी जाती है?
(A) ब्रह्मसूत्र (B) ऋग्वेद (C) यजुर्वेद (D) भगवद्गीता

3. *श्रेयस्* और प्रेयस् का भेद निम्नलिखित उपनिषद् में पाया जाता है :
(A) प्रश्नोपनिषद् (B) माण्डूक्योपनिषद्
(C) तैत्तिरीयोपनिषद् (D) कठोपनिषद्

4. *चेतना* और नैतिक कर्म में सीधा संबंध है। यह निम्नलिखित में स्वीकर किया गया है :
(A) वेद (B) उपनिषद् (C) जैन दर्शन (D) बौद्ध दर्शन

5. *पतंजलि* के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा *क्लेश* ***नहीं*** है?
(A) अविद्या (B) अस्मिता (C) विपर्यय (D) द्वेष

6. किस दार्शनिक ने बताया कि जन्म के समय मनस् *टेबुलारसा* होता है।
(A) डेकार्ट (B) लॉक (C) बर्कले (D) ह्यूम

7. एक ही सम्प्रदाय से संबंधित युग्म का पता लगायें।
(A) शंकर एवं गौतम (B) उद्योतकर एवं उदयन
(C) वसुबन्धु एवं उमास्वाति (D) ईश्वरकृष्ण एवं धर्मकीर्ति

8. प्लेटो के लिये परम तत्त्व है :
(A) विशेष (B) सामान्य
(C) द्रव्य / जड़ (D) सामान्य और विशेष दोनों

9. इनमें '*द्रव्य*' और '*आकार*' दो मूलभूत अवधारणायें हैं :
(A) प्लेटो (B) सुकरात (C) सोफिस्ट्स (D) अरस्तू

10. प्रभाकर मानते हैं :
(A) अभिहितान्वयवाद (B) अखण्डवाक्यवाद
(C) अन्विताभिद्यानवाद (D) कोई नहीं

11. *लिङ्ग* के रूप में *अनुपलब्धि* कौन स्वीकार करता है?
(A) बौद्ध दर्शन (B) न्याय (C) अद्वैत (D) सांख्य

12. ज्ञान मीमांसा में कॉपर्निकसीय क्रान्ति कौन लाया?
(A) कान्ट (B) हेगेल (C) डेकार्ट (D) लाइब्नित्ज

13. Yogācāra propounds the doctrine of :
(A) bāhyārthaśūnyatā (B) sarvadharmaśūnyatā
(C) bāhyārthānumeyavāda (D) sarvadṛṣṭiśūnyatā

14. There is no trenchant opposition between knowledge and ignorance according to :
(A) Śaṅkara (B) Gandhi
(C) Sri Aurobindo (D) Ambedkar

15. The process of evolution according to Sri Aurobindo pre-supposes :
(A) Transformation (B) Involution
(C) Ascent (D) Mind

16. Who defined perception as *"Pratyakṣaṃ Kalpanāpoḍham"* ?
(A) Gautam (B) Dignāga
(C) Nāgārjuna (D) Dharmakīrti

17. The author of *'Secrets of Self'* :
(A) Tagore (B) Iqbal
(C) Gandhi (D) K. C. Bhattacarya

18. Who has defined cognitive error as *"smṛtirūpaḥ paratrapūrvadṛṣṭāvabhāsaḥ adhyāsah"* ?
(A) Gautama (B) Dharmakīrti
(C) Rāmānuja (D) Śaṃkara

19. "The Principles of Truth and Non-violence are as old as hills" is advocated by :
(A) Radhakrishnan (B) Tagore
(C) Gandhi (D) Sri Aurobindo

20. The theory of becoming is propounded by :
(A) Parmenides (B) Heraclitus
(C) Zeno (D) Anaximander

21. Who is the father of dialectical method ?
(A) Zeno (B) Protagoras (C) Heraclitus (D) Pythagoras

22. 'Man is the measure of all things'— whose statement is this :
(A) Zeno (B) Socrates (C) Plato (D) Protagoras

23. 'Knowledge is virtue'— is propounded by :
(A) Plato (B) Aristotle (C) Kant (D) Socrates

24. Who has propounded clarity and distinctness as the criterion of truth ?
(A) Plato (B) Socrates (C) Bradley (D) Descartes

25. The view that 'All knowledge is knowledge through concepts'— is propounded by :
(A) Kant (B) Hegel (C) Berkeley (D) Socrates

13. योगाचार निम्नलिखित सिद्धान्त का प्रतिपादन करता है :

(A) बाह्यार्थशून्यता (B) सर्वधर्मशून्यता

(C) बाह्यार्थनुमेयवाद (D) सर्वदृष्टिशून्यता

14. किसके अनुसार ज्ञान और अज्ञान में तीक्ष्ण विरोध नहीं है :

(A) शंकर (B) गाँधी (C) श्री अरविन्द (D) अम्बेडकर

15. श्री अरविन्द के अनुसार विकास की पूर्व प्रक्रिया है :

(A) रूपान्तरण (B) अर्न्तलयन (C) आरोहण (D) मन

16. ''*प्रत्यक्षं कल्पनापोढम्*'' - प्रत्यक्ष की यह परिभाषा किसने दी?

(A) गौतम (B) दिग्नाग (C) नागार्जुन (D) धर्मकीर्ति

17. '*सीक्रेट्स ऑफ सेल्फ*' का लेखक है :

(A) टैगौर (B) इकबाल (C) गाँधी (D) के.सी. भट्टाचार्य

18. ''*स्मृतिरूपः परत्रपूर्वदृष्टावभासः अध्यासः*'' - भ्रम की यह परिभाषा किसने दी है?

(A) गौतम (B) धर्मकीर्ति (C) रामानुज (D) शंकर

19. ''सत्य और अहिंसा के सिद्धान्त इतना पुराने हैं जितना कि पहाड़'' इसका किसने समर्थन किया?

(A) राधाकृष्णन् (B) टैगौर (C) गाँधी (D) श्री अरविंद

20. औचित्य के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया गया है :

(A) पारमेनाइडीज द्वारा (B) हेराक्लीटस द्वारा (C) जीनो द्वारा (D) एनेक्जीमेण्डर द्वारा

21. द्वन्द्वात्मक विधि का जनक कौन है?

(A) जीनो (B) प्रोटागोरस (C) हेराक्लीटस (D) पाइथागोरस

22. 'मनुष्य सभी वस्तुओं का मापदण्ड है' - यह किसका वक्तव्य है?

(A) जीनो (B) सुकरात (C) प्लेटो (D) प्रोटागोरस

23. 'ज्ञान सद्गुण है' - प्रतिपादित किया गया है :

(A) प्लेटो द्वारा (B) अरस्तू द्वारा (C) काण्ट द्वारा (D) सुकरात द्वारा

24. किसने स्पष्टता और सुभिन्नता को सत्य के मानदण्ड के रूप में प्रतिपादित किया है?

(A) प्लेटो (B) सुकरात (C) ब्रैडले (D) डेकार्ट

25. 'सभी ज्ञान प्रत्ययात्मक हैं' - मत का प्रतिपादन किया गया हैं :

(A) काण्ट द्वारा (B) हेगेल द्वारा (C) बर्कले द्वारा (D) सुकरात द्वारा

26. 'Though all our knowledge begins in experience but it does not end in experience' is the view of :

(A) Hegel (B) Locke (C) Kant (D) Berkeley

27. The idealist who accepted the reality of objects :

(A) Berkeley (B) Hegel (C) Fichte (D) Schelling

28. *Śabda* is an independent *pramāṇa* according to :

(A) Bauddha, Nyāya and Mīmāṁsā

(B) Nyāya, Vaiśeṣika and Jaina

(C) Jaina, Sāṁkhya and Nyāya

(D) Sāṁkhya, Vaiśeṣika and Advaita Vedānta

29. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Author)***		***List II*** ***(Works)***
(a)	Iśvarakṛṣṇa	(i)	*Yogasūtra*
(b)	Vātsyāyana	(ii)	*Sāṁkhyakārikā*
(c)	Patañjali	(iii)	*Padārthadharma Saṁgraha*
(d)	Praśastapāda	(iv)	*Nyāyabhāṣya*

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

30. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Books)***		***List II*** ***(Authors)***
(a)	*Nichomachean Ethics*	(i)	Plato
(b)	*Crito*	(ii)	Descartes
(c)	*Meditations*	(iii)	Kant
(d)	Critic of Judgement	(iv)	Aristotle

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

26. 'यद्यपि हमारे समस्त ज्ञान का प्रारम्भ अनुभव से होता है, परन्तु इसका पर्यवसान अनुभव में नहीं होता' – यह मत है :

(A) हेगेल का (B) लॉक का (C) कान्ट का (D) बर्कले का

27. आदर्शवादी जिसने वस्तु की वास्तविकता को स्वीकार किया है :

(A) बर्कले (B) हेगेल (C) फिक्टे (D) शिलिंग

28. इनके अनुसार *शब्द* स्वतन्त्र *प्रमाण* है :

(A) बौद्ध, न्याय और मीमांसा (B) न्याय, वैशेषिक और जैन

(C) जैन, सांख्य और न्याय (D) सांख्य, वैशेषिक और अद्वैत वेदान्त

29. ***सूची-I*** का ***सूची-II*** से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I ***(ग्रन्थकार)***		***सूची-II*** ***(कृति)***
(a)	ईश्वरकृष्ण	(i) योगसूत्र
(b)	वात्स्यायन	(ii) सांख्यकारिका
(c)	पतंजलि	(iii) पदार्थधर्मसंग्रह
(d)	प्रशस्तपाद	(iv) न्यायभाष्य

कूट :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

30. ***सूची-I*** का ***सूची-II*** से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I ***(कृति)***		***सूची-II*** ***(ग्रन्थकार)***
(a)	*नाइकौमैकीयन एथिक्स*	(i) प्लेटो
(b)	*क्राइटो*	(ii) डेकार्ट
(c)	*मेडीटेशन्स*	(iii) कान्ट
(d)	क्रिटिक ऑफ जजमेंट	(iv) अरस्तु

कूट :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

31. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Theory)***		***List II*** ***(Thinkers)***
(a)	Critical method	(i)	Hegel
(b)	The method of doubt	(ii)	Kant
(c)	The verification method	(iii)	A. J. Ayer
(d)	The dialectical method	(iv)	Descartes

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

32. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Authors)***		***List II*** ***(Texts)***
(a)	Gandhi	(i)	Life Divine
(b)	Sri Aurobindo	(ii)	Hind Swaraj
(c)	Tagore	(iii)	Eastern Religions and Western Thought
(d)	Radhakrishnan	(iv)	Creative unity

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

33. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Thinkers)***		***List II*** ***(Theories)***
(a)	Sartre	(i)	Picture theory
(b)	Nietzsche	(ii)	Pragmatic theory of Truth
(c)	Wittgenstein	(iii)	"God is dead"
(d)	William James	(iv)	"Being and Nothingness"

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

31. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I *(सिद्धान्त)*		*सूची-II* *(चिन्तक)*	
(a)	आलोचनात्मक विधि	(i)	हेगेल
(b)	अविश्वास की विधि	(ii)	कान्ट
(c)	सत्यापन विधि	(iii)	ए.जे. एयर
(d)	द्वंद्वात्मक विधि	(iv)	डेकार्ट

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

32. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I *(ग्रन्थकार)*		*सूची-II* *(कृति)*	
(a)	गाँधी	(i)	लाइफ डिवाइन
(b)	श्री. अरविन्द	(ii)	हिन्द स्वराज
(c)	टैगोर	(iii)	इस्टर्न रिलीजन एण्ड वेस्टर्न थॉट
(d)	राधाकृष्णन्	(iv)	क्रिएटिव यूनिटी

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

33. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

सूची-I *(चिन्तक)*		*सूची-II* *(सिद्धान्त)*	
(a)	सार्त्र	(i)	चित्र सिद्धान्त
(b)	नित्शे	(ii)	सत्य का व्यावहारिक सिद्धान्त
(c)	विटगंस्टीन	(iii)	ईश्वर मर गया है
(d)	विलियम जेम्स	(iv)	अस्तित्व और अनस्तित्व

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(B)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

34. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Texts)***		***List II*** ***(Authors)***
(a)	Ślokavārthika	(i)	Vācaspati Miśra
(b)	Tattvakaumudī	(ii)	Viśvanātha
(c)	Bhāṣāpariccheda	(iii)	Umāsvāti
(d)	Tattvārthasūtra	(iv)	Kumārila

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

35. Match the ***List I*** with ***List II*** and choose the correct answer from the code given below :

	List I ***(Authors)***		***List II*** ***(Works)***
(a)	Sri Aurobindo	(i)	Secrets of the self
(b)	Tagore	(ii)	Absolute and its Alternative forms
(c)	K. C. Bhattacharya	(iii)	Sādhanā
(d)	Iqbal	(iv)	Integral Yoga

Code :

	(a)	***(b)***	***(c)***	***(d)***
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

Instructions :

The following items 36 to 41 consist of two statements one labelled the Assertion (A) and the other labelled the Reason (R). You are to examine these two statements carefully and decide if the Assertion (A) and Reason (R) are individually true and if so whether the Reason is a correct explanation of Assertion. Select your answers to these items using the codes given below and mark your answer sheet accordingly.

Codes :

(A) Both ***(A)*** and ***(R)*** are true and ***(R)*** is the correct explanation of ***(A)***.

(B) Both ***(A)*** and ***(R)*** are true but ***(R)*** is not a correct explanation of ***(A)***.

(C) ***(A)*** is true but ***(R)*** is false.

(D) ***(A)*** is false but ***(R)*** is true.

36. **Assertion (A) :** According to Śaṃkara, the Ultimate Reality is nirguṇa Brahman.
Reason (R) : There is no God.

34. *सूची-I* का *सूची-II* से मिलान करें और नीचे दिये कूट संकेतो में से सही उत्तर का चयन करें :

	सूची-I *(कृति)*		*सूची-II* *(लेखक)*
(a)	श्लोकवार्त्तिक	(i)	वाचस्पति मिश्र
(b)	तत्त्वकौमुदी	(ii)	विश्वनाथ
(c)	भाषापरिच्छेद	(iii)	उमास्वाति
(d)	तत्त्वार्थसूत्र	(iv)	कुमारिल

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

35. *सूची-I* की *सूची-II* से सुमेलित कीजिए और निम्नलिखित कूट से सही उत्तर चुनिये :

	सूची-I		*सूची-II*
(a)	श्री अरविन्द	(i)	सीक्रेट्स आफ दी सेल्फ
(b)	टैगोर	(ii)	एब्सोल्यूट एण्ड इट्स अलटरनेटिव फार्मस्
(c)	के.सी. भट्टाचार्य	(iii)	साधना
(d)	इकबाल	(iv)	समग्रयोग

कूट :

	(a)	*(b)*	*(c)*	*(d)*
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

निर्देश :

निम्नलिखित प्रश्नांशों 36 से 41 में दो वक्तव्य हैं। एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है। आपको दोनों वक्तव्यों का सावधानी पूर्वक परीक्षण करना है और निर्णय करना है कि क्या कथन (A) तथा कारण (R) पृथक्-पृथक् सही हैं और यदि ऐसा है तो क्या, कारण, कथन का सही स्पष्टीकरण है। इन प्रश्नांशों का उत्तर नीचे दिये हुए कूट की सहायता से चुनिये और अपने उत्तर पत्रक में तदनुसार अंकित कीजिये।

कूट :

(A) ***(A)*** और ***(R)*** दोनों सही हैं और, ***(R), (A)*** का सही स्पष्टीकरण है।

(B) ***(A)*** और ***(R)*** दोनों सही हैं, किन्तु, ***(R), (A)*** का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) ***(A)*** सही हैं, किन्तु ***(R)*** गलत है।

(D) ***(A)*** गलत हैं किन्तु ***(R)*** सही है।

36. **कथन *(A)*** : शंकर के अनुसार पारमार्थिक सत् निर्गुण ब्रह्मन् है।
कारण (R) : ईश्वर नहीं है।

37. **Assertion (A) :** Hegel toned down Kant.
Reason (R) : "The Real is the rational".

38. **Assertion (A) :** Moore refuted Idealism.
Reason (R) : Moore defended common sense.

39. **Assertion (A) :** According to Spinoza "all determination is negation".
Reason (R) : Modes are entirely dependent on substance.

40. **Assertion (A) :** Leibnitz says that 'the monads are windowless'.
Reason (R) : The law of sufficient reason is there.

41. **Assertion (A) :** "I think, therefore I am".
Reason (R) : God is a demonstrable certainty.

42. What is the ***correct*** sequence of the following in evolutionary process, according to Sri Aurobindo :
(A) Over mind, Higher mind, Illumined mind, Intuitive mind, Super mind
(B) Higher mind, Illumined mind, Intuitive mind, Over mind, Super mind
(C) Illumined mind, Higher mind, Intuitive mind, Over mind, Super mind
(D) Intuitive mind, Higher mind, Illumined mind, Over mind, Super mind

43. Identify the ***correct*** sequence.
(A) Thales, Socrates, Plato, Aristotle
(B) Anaximander, Thales, Ryle, Pierce
(C) Hume, Locke, Berkeley, Spencer
(D) Leibnitz, Descartes, Hegel, Kant

44. Find the ***correct*** combination.
(A) *pratityasamutpāda – madhyamāpratipad – sāmānya*
(B) *dravya – guṇa – paryāya*
(C) *māyā – apṛthaksiddhi – Brahman*
(D) *puruṣa – prakṛti – adhyāsa*

45. The ***correct*** sequence of triple transformation in evolutionary theory of Sri Aurobindo is :
(A) Psychic Transformation, Supramental Transformation, Spiritual Transformation
(B) Psychic Transformation, Spiritual Transformation, Supramental Transformation
(C) Spiritual Transformation, Psychic Transformation, Supramental Transformation
(D) Supramental Transformation, Spiritual Transformation and Psychic Transformation

37. **कथन** *(A)* : हेगेल ने कान्ट का संशोधन किया।
कारण (R) : सत् तर्कबुद्धि परक है।

38. **कथन** *(A)* : मूर ने आदर्शवाद का खण्डन किया।
कारण (R) : मूर ने व्यावहारिक बुद्धि का समर्थन किया।

39. **कथन** *(A)* : स्पिनोज़ा के अनुसार ''प्रत्येक निर्धारण निषेध है''।
कारण (R) : चिदणु पूर्णतया द्रव्य पर निर्भर करते हैं।

40. **कथन** *(A)* : लाइब्निट्ज़ कहता है कि 'चिदणु गवाक्षहीन होते हैं'।
कारण (R) : यथेष्ट कारण का सिद्धान्त विद्यमान है।

41. **कथन** *(A)* : 'मैं सोचता हूँ, अतः मैं हूँ'।
कारण (R) : ईश्वर प्रदर्शनीय निश्चितता है।

42. श्री अरविन्द के अनुसार विकास की प्रक्रिया में निम्नलिखित का सही क्रम क्या है :
(A) उर्ध्व मन, उच्चतर मन, प्रदीप्त मन, अन्तर्मासिक मन, अतिमन
(B) उच्चतर मन, प्रदीप्त मन, अन्तर्मासिक मन, उर्ध्व मन, अतिमन
(C) प्रदीप्त मन, उच्चतर मन, अन्तर्मासिक मन, उर्ध्व मन, अतिमन
(D) अन्तर्मासिक मन, उच्चतर मन, प्रदीप्त मन, उर्ध्व मन, अतिमन

43. ***सही*** क्रम की पहचान करें।
(A) थेल्स, सुकरात, प्लेटो, अरस्तू
(B) एनेक्सीमेंडर, थेल्स, राइल, पीयर्स
(C) ह्यूम, लॉक, बर्कले, स्पेंसर
(D) लाइब्नित्ज़, डेकार्ट, हेगेल, काण्ट

44. ***सही*** समुच्चय कौन है?
(A) प्रतीत्यसमुत्पाद - मध्यमाप्रतिपद् - सामान्य
(B) द्रव्य - गुण - पर्याय
(C) माया - अपृथक्सिद्धि - ब्रह्मन्
(D) पुरुष - प्रकृति - अध्यास

45. श्री अरविन्द के विकासवादी सिद्धान्त के त्रिविध रूपान्तरण का ***सही*** क्रम है :
(A) चैत्य रूपान्तरण, अतिमानसिक रूपान्तरण, आध्यात्मिक रूपान्तरण
(B) चैत्य रूपान्तरण, आध्यात्मिक रूपान्तरण, अतिमानसिक रूपान्तरण
(C) आध्यात्मिक रूपान्तरण, चैत्य रूपान्तरण, अतिमानसिक रूपान्तरण
(D) अतिमानसिक रूपान्तरण, आध्यात्मिक रूपान्तरण, चैत्य रूपान्तरण,

Read the following passage and answer the questions 46 to 50:

According to Śaṇkara, 'reality' is that which does not deviate from its ascertained nature, while unreality is change (*vikāra*). As the Upaniṣads have explained, being without change is reality. But Being may be conceived as 'matter'; so to negate materiality, after defining Brahman as 'reality', immediately it is said that 'Knowledge is Brahman'. As the word 'knowledge' is used as an adjective along with the words 'reality' and 'infinity', it is not used in the sense of 'producer of knowledge' (*jñānakartā* = knower), for what undergoes changes in the form of a 'knower' cannot be real. Moreover, 'knower' implies the distinctions of known, knowledge and knower, which would contradict the adjective 'infinity' and other Upaniṣadic texts like 'That is *Bhūmā* (the vast, i.e. Brahman), where no other is known'. Śaṅkara says that it is unjustifiable to say that though there is nothing else to be known by Brahman, it can know itself, and as such it can be called a 'knower', because if Brahman becomes the known, there remains no 'knower', as there is no internal difference in Brahman. The one Brahman cannot be both knower and known, because it has no parts or members. Further, if Ātman (the self) is also put under the category of known things, such as pots, there is no meaning in scriptural teaching about it, for all objective things can be perceived in some way or other at sometime or other. Brahman, which is pure being (*sanmātra*), can never be known. To conclude, in the definition'knowledge is Brahman', the word 'knowledge' negates activity etc., and materiality. To remove the supposition that as knowledge is limited in the world, Brahman, which is knowledge, is also limited, it is immediately added that Brahman is infinity.

46. In Śaṃkara the ultimate reality is :
(A) Being-cum-becoming
(B) Knowledge-generating
(C) Both consciousness and matter
(D) Becomingless

47. Knowledge presupposes knowable ; therefore :
(A) Brahman is both subject and object
(B) Brahman is knowable
(C) Brahman is not knowledge
(D) Brahman is knowledge

48. A word denotes or connotes a thing ; therefore :
(A) The word " Brahman" denotes the object "Brahman"
(B) "Not This, Not This" connotes Brahman
(C) Words cannot describe Brahman
(D) Word itself is Brahman

49. Brahman is infinite, therefore :
(A) It cannot be known by humans
(B) Infinite Brahman can be inferred
(C) Brahman can only be indicated
(D) Brahman is the world itself

50. Since Brahman lacks activity and materiality :
(A) It is non-existent
(B) It is pure and absolute being
(C) It is illusion
(D) It is an significant reality

- o O o -

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्न संख्या 46 से 50 के उत्तर दीजिये :

शंकर के अनुसार 'सत्' वह है जो अपने निर्धारित स्वरुप से व्यभिचरित नहीं होता, जबकि असत् विकार है। जैसा कि उपनिषद् व्याख्या करते हैं, विकार रहित सत् ही वास्तविक सत् है। सत् की कल्पना भौतिक तत्व के रूप में की जा सकती है, अत: सत् के रूप में ब्रह्मन् को परिभाषित करने के बाद भौतिक तत्त्व का निषेध करने के लिये, अविलम्ब यह कहा गया है कि ''ज्ञान ब्रह्मन् है''। यूँकि 'सत्' एवं 'अनन्त' शब्दों के साथ 'ज्ञान' शब्द का प्रयोग एक विशेषण के रूप में किया गया है, इसका प्रयोग ज्ञानकर्ता के रूप में नहीं हुआ है। कारण यह है कि ज्ञाता के रूप में जो परिवर्तनशील है वह सत् नहीं हो सकता। इसके अतिरिक्त, ज्ञाता में ज्ञाता–ज्ञेय–ज्ञान का भेद समाविष्ट है जो विशेषण 'अनन्त' और उपनिषद् वाक्यों, जैसे ''वह भूमा है जहाँ किसी अन्य का ज्ञान नहीं होता, का निषेध करता है। शंकर कहते हैं – यह कहना उचित नहीं है कि यद्यपि ब्रह्मन् का कोई 'अन्य' ज्ञातव्य नहीं है, यह अपने आपको ही जान सकता है और इस प्रकार इसे ज्ञाता कह सकते हैं। इसका कारण यह है कि चुँकि ब्रह्मन् में कोई अन्तर्भेद नहीं है अत: यदि ब्रह्मन् ज्ञात हो, तो कोई ज्ञाता नहीं बचता। अद्वैत–ब्रह्मन में ज्ञाता और ज्ञात दोनों नहीं हो सकता क्योंकि यह निरवयव है। पुनश्चेच, यदि घट की तरह आत्मन को भी ज्ञात की कोटि में रख दिया जाता है तो एक तो श्रुति में इसका कोई व्यवधान नहीं है और दूसरा यह है कि घट जैसी वस्तुयें कहीं न कहीं कभी न कभी दिख ही जायेंगी। परन्तु आत्मन् घट जैसी वस्तु नहीं। ब्रह्मन्, जो सन्मात्र है, कभी ज्ञेय नहीं है। संक्षेप में, ''ज्ञान ब्रह्मन् है'' इस परिभाषा में, ''ज्ञान'' शब्द क्रियादि एवं भौतिक द्रव्य का निषेध करता है। इस मान्यता का निराकरण करने के लिये कि चुँकि संसार में ज्ञान सीमित है, ज्ञान के रूप में ब्रह्मन् भी सीमित है – ब्रह्मन् को अनन्त माना गया है।

46. शंकर में परमार्थ सत् का लक्षण है :

(A) संभूति युक्त सत्
(B) ज्ञानजनक
(C) चित् एवं अचित् दोनों
(D) संभूति रहित

47. चुँकि ज्ञान की पूर्वमान्यता ज्ञेय है, अत: :

(A) ब्रह्मन् विषय और विषयी दोनों है।
(B) ब्रह्मन् ज्ञेय है।
(C) ब्रह्मन् ज्ञान नहीं है।
(D) ब्रह्मन् ज्ञान है।

48. शब्द वस्तु का सूचक है या संकेत करता है, अत: :

(A) ''ब्रह्मन्'' शब्द ''ब्रह्मन्'' वस्तु का सूचक है।
(B) ''नेति नेति'' ब्रह्मन् का संकेत करता है।
(C) शब्द ''ब्रह्मन्'' का वर्णन नहीं कर सकता है।
(D) शब्द स्वयं ब्रह्मन् है।

49. ब्रह्मन् अनन्त है, अत: :

(A) मनुष्य को ब्रह्मन् का ज्ञान नहीं हो सकता।
(B) अनन्त ब्रह्मन् को अनुमान किया जा सकता है।
(C) ब्रह्मन का संकेतमात्र किया जा सकता है।
(D) ब्रह्मन् जगत् ही है।

50. चुँकि ब्रह्मन् क्रिया और भौतिकता से रहित है :

(A) यह अनस्तित्ववान् है।
(B) यह शुद्ध एवं निरपेक्ष सत् है।
(C) यह अध्यास है।
(D) यह तुच्छसत्ता है।

- o O o -

Space For Rough Work